D.A.V. PUBLIC SCHOOL BERHAMPUR

REVISION TEST

SUB - HINDI(B)

CLASS-IX

MARKING SCHEME

निर्देश :- अगर कोई उत्तर सही हो और उत्तर संकेत में न हो। तो उसपर भी यथा संभव अंक दिए जाएं।

प्रश्न संख्या	उत्तर संकेत	उत्तर संकेत हेतु अंक	कुल अंक	पृष्ठ क्रमांक NCERT पुस्तक
	खण्ड-क (अपठित बोध)			
1.	(क) कबीर, रहीम, रैदास, सूरदास, तुलसीदास भक्तिकालीन कवि थे इन कवियों ने सीधे सरल शब्दों में साधारण जनता को सही मार्ग दिखाया।	2		
	(ख) कबीर के दोहे लघु और सरल भाषा में लिखे गए थे। अधिकतर दोहे ज्ञान-अज्ञान, नीति, परोपकार, आपसी प्रेम से संबंधित थे हैं।	2		अपठित गद्यांश से
	(ग) कबीर भक्तिकालीन कवि थे। कबीर केवल कवि ही नहीं सच्चे समाजसुधारक थे और युग-निर्माता थे। कबीर ने हिंदू और मुसलमान दोनों की आलोचना और समाज में जागृति का नया मंत्र फूंका।	2	9	
	(घ) दोहे दो पंक्तियों में लिखा जाता है और चौपाई चार पंक्तियों में लिखा जाता है।	2		
	(ङ) महान समाजसुधारक कबीर	1		
2	(क) जीवन अस्थिर है। जीवन रूपी यात्रा सुख-दुखात्मक अनुभव देता है व्यक्ति लंबी जीवन यात्रा सीमित डग भरकर, सतर्क होकर तय करना होता है।	2		अपठित काव्यांश से
	(ख) जो जीवन रूपी कठिन रास्ते में आनेवाले बाधा + विघ्नों से नहीं घबराते, परेशानियों से नहीं डरते कोई साथ दे या न दे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जाते हैं।	2		
	(ग) जीवन पथ पर चलते समय जिस किसी ने भी उसका साथ दिया, उनकी सहायता की, जिसने स्नेह और प्यार दिया कवि उसे धन्यवाद करता है।	2		

अथवा

(क) कवि के अनुसार सच जीवन में आनेवाली कठिनाइयों से संघर्ष करना है। क्योंकि संघर्ष करनेवाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है। 2

(ख) जो सूरमा अर्थात सूर-वीर होते हैं वे कभी विपत्ती बाधा-विघ्नों से घबराते नहीं न ही विचलित होते हैं धैर्य खोए बिना संकट को गले लगाते हैं काँटों के समान कठीन पथ पर चलते हैं कभी उफ़ तक नहीं कहते। 2 6

(ग) मनुष्य जब मन में कुछ करने की ठान लेता है और दृढ़ निश्चयी बनकर जोर लगाता है तब वह पत्थर को भी पानी अर्थात कठीन कार्य को भी सरल बना देता है। 2

खण्ड-ख (व्याकरण से)

3. (i) म् + अ + न् + उ + ष् + य् + अ
(ii) र् + अ + म् + अ + न् + अ 2
(iii) ह् + अ + म् + आ + र् + अ + र् + अ

4. (क)(i) संदेश (ii) दाँत (iii) चाहूँगा। 2 व्याकरण
(ख) (i) ज़वान (ii) तूफ़ान 1 पुस्तक से

5. (क)(i) हरि + ईश (ii) अभि + इष्ट (iii) चरण + अमृत 2
(ख)(i) व्यायाम (ii) वनौषध (iii) रजनीश 2

6. (क) (i) शरीर + इक (ii) पहाड़ + ई (iii) बेचने + वाली 2
(ख)(i) पर + लोक (ii) अनु + भूति 1

7. (क) विनय कूदता-फाँदता भाग गया।
(ख) सुनो, यह क्या हो रहा है। 3
(ग) श्याम, केशव, सुरेश सोने चले गए।
(घ) लेखक ने पूछा, "क्या हाल है मोहन?"

(खण्ड 'ग' पाठ्यपुस्तक से)

8 (क) महादेव भाई अपने झोले में समाचार पत्र से काटकर खबर पूरा का पूरा अखबार जिसे वह पढ़ नहीं पाते थे, मेगजिन, मासिक पत्रिकायें और बाद में जब यात्रा पर जाते थे तो ट्रेन के ऊपर 2 स्पर्श-1 पृष्ठ-74

सेनेवाले सीट पर पढ़ जाते थे और उन्हें पढ़कर सारे खबर याद रखते थे।

(ख) लेखक के अनुसार जो जैसा धर्म चाहे वैसा अपनाए, दो भिन्न धर्मों के मानने वालों के टकरा जाने के लिए कोई स्थान नहीं। यदि कोई दूसरे धर्म में टंग अड़ाने की कोशिश करे तो उसे देश की स्वाधीनता के विरुद्ध समझा जाएगा। 2 स्पर्श-1 pg-64

(ग) पंक-कीचड़ और पंकज का अर्थ है कमल। 1 स्पर्श-1 पृष्ठ-57

अथवा

कि उसे धोबी को कपड़े धोने के लिए देना है। स्पर्श-1 पृष्ठ-39

9. शीर्षक पूर्णतः सार्थक है क्योंकि हमारे समाज में जिसके पास पैसा है उसी को दुःख मनाने का अधिकार है और जिसके पास पैसा नहीं है उसको दुःखकरने का कोई अधिकार नहीं गरीब बुढ़िया का उदाहरण तथा सम्भ्रात महिला का उदाहरण विद्यार्थी लिखेंगे। 5 स्पर्श-1 पृष्ठ-3

5

अथवा

एवरेस्ट शंकु की चोटी पर इतनी जगह नहीं थी कि दो व्यक्ति खड़े हो सकें--- चारों तरफ हजारों मीटर लंबी सीधी ढलान --- अपने आप को सुरक्षित किया--- बर्फ की खुदाई करके अपने लिए जगह बनाई --- 5 स्पर्श-1 पृष्ठ-30

कर्नल खुल्लर ने कहा - मैं तुम्हारी इस अनूठी उपलब्धि के लिए तुम्हारे माता-पिता को बधाई देना चाहूँगा!" देश को तुम पर गर्व है और अब ---- स्पर्श-1 पृष्ठ-30

10. (क) जिन के पास धन-सम्पत्ति सबकुछ होते हुए भी वे दूसरों के दुःखभरी आवाज को सुनकर अनसुनी कर देते हैं वे पशु से भी हीन हैं उदाहरण - हीरण का दे 2 स्पर्श-1 पृष्ठ-93

(ख) अछूत होते हुए भी साफ-सुथरे कपड़े पहनकर मंदिर में प्रवेश कर मंदिर की पवित्रता को नष्ट करने के आरोप में दंडित किया गया। 2 स्पर्श-1 पृष्ठ-10?

(ग) पीपल का पेड़, ढहा हुआ घर, खाली मैदान। 1 स्पर्श-1 पृष्ठ-122

अथवा

सुगंधित चंदन, काले बादल, दीन-रात जलनेवाले दीपक के साथ स्पर्श-1 पृष्ठ-88

11. जीवन रूपी कठीन पथ को अग्नीपथ कहा है
इस जीवन रूपी पथ पर आगे बढ़ते समय पत्ते की सी छांह भी मांगने को मना करते हैं इसका कर सपथ अर्थात् प्रण ले कि तुझे मुड़ना या रुकना नहीं है परिश्रम करके पसिने से लथपथ हो रक्त बह पर निरंतर आगे बढ़ने की बात करते है। ---- 5

अथवा

आदमीनामा में सकारात्मक पक्ष है — बादशाह, पैसेवाला, स्वादीष्ट भोजन करनेवाला, सम्मानीय व्यक्ति, दूसरों की जान बचानेवाला, पीर भक्त, संत
नकारात्मक पक्ष है — मुफलिस ओ गदा, भीखारी, दूसरों की पगड़ी उछालनेवाला, दूसरों की जान लेनेवाला। 5

12. 'हामिद खाँ' गद्य में तक्षशीला भ्रमण में जाना --- भोजन के लिए मुसलमानी होटल में भोजन करना --- पैसे देनेपर न लेना और कहना इन पैसों से मालाबार में किसी मुसलमानी होटल में चाय पी लेना --- मित्रता बढ़ जाना। आगजनी की खबर पढ़ने पर मन में दुआ करना कि उनका मित्र आगजनी से बचा रहे। 5

अथवा

कुएँ में चिट्ठियाँ निकालने के लिए लेखक ने सबसे पहले अपने कमर में धोती बांधी एक सीरा कमर से दूसरा वृक्ष पर --- नीचे उतरकर डण्डे के सहारे साँप को मारने की भावना --- न मार पाने के कारण मिट्टी का ढेला फेंकना --- साँप का देखना --- डण्डे पर प्रहार का नीला पीक --- साँप का ध्यान बंटाकर चिट्ठियाँ बरामद करना और उपर उठना (विद्यार्थी अपने शब्दों में) लिखेंगे। 5

खण्ड-'घ' (लेखन)

13. अनुच्छेद लेखन — 5
- प्रारूप 1
- विषयवस्तु 2
- भाषा 1
- उपसंहार 1

14. पत्र — 5
- पत्र प्रारूप 2
- विषयवस्तु 3

15	चित्र वर्णन — • विषयानुकूलता • अभिव्यक्ति क्षमता • भाषाई शुद्धता	1 3 1	5	मौलिक रचना
16.	संवाद लेखन — • विषयानुकूलता • अभिव्यक्ति क्षमता • भाषाई शुद्धता	1 3 1 1 3 1	5 5	मौलिक रचना मौलिक रचना
17	विज्ञापन लेखन — • प्रस्तुतीकरण • अभिव्यक्ति क्षमता • भाषाई शुद्धता • समग्र प्रस्तुति	1 2 1 1	5	मौलिक रचना

कुल अंक 80